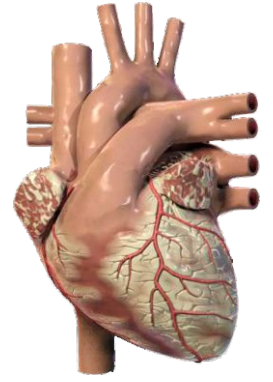


हृदय और धड़कन

वर्ष-4, अंक-43, जुलाई 20, 2013



Care Institute of Medical Sciences



Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीग्र	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. अनिश चंद्रारणा	+91-98250 96922

कार्डियक सर्जन

डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933
डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. दीपेश शाह	+91-90990 27945

पिडियाट्रिक और स्ट्रुक्चरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502
--------------	-----------------

वास्कुलर और एन्डोवास्कुलर सर्जन

डॉ. सृजल शाह	+91-91377 88088
--------------	-----------------

कार्डियक एनेस्थेतिस्ट

डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917
डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चितन शेट	+91-91732 04454

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजीस्ट

डॉ. कश्यप शेट	+91-99246 12288
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और

पीडियाट्रिक इन्टेन्सिवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
------------------	-----------------

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

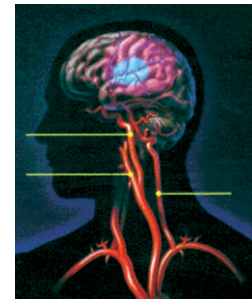
डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
--------------	-----------------

लकवा (स्ट्रोक) - इलाज की आशा

जैसे हृदय की धमनियां संकरी होने से या रुक जाने से हृदयरोग का हमला आता है, वैसे ही केरोटिड (गर्दन की) धमनी अथवा मस्तिष्क की छोटी धमनियां (Capillaries) संकरी होने से लकवा हो जाता है दोनों स्थितियों में धमनिया संकरी या रुक जाने का कारण समान ही है। यानि कि एथेरोस्क्लेरोसिस (चरबी की पपड़ी जमना)। इसलिए इन दोनों रोगों के निवारण व इलाज में साम्य होना स्वाभाविक ही है। मस्तिष्क में रक्तस्राव (Hemorrhage) होने से भी लकवा हो सकता है।

जिस तरह हृदय की रुकी हुई धमनियों को कार्डियाक कॅथेटराइजेशन के द्वारा खोला जा सकता है, उसी प्रकार रुकी हुई केरोटिड धमनियों को भी खोला जा सकता है। हृदयरोग विशेषज्ञ, न्यूरो-फिजिशियन और रेडियोलोजिस्ट मिलकर एक्यूट स्ट्रोक ट्रीटमेंट टीम बनाकर एक्यूट सेरेब्रो - वेस्कुलर स्ट्रोक का इलाज करते हैं।

इस प्रकार लकवा भले ही पूर्णतया न्यूरोलोजी का विषय हो परन्तु हृदयरोग विशेषज्ञ भी उनकी रक्तवाहिनी कॅथेटराइजेशन की कुशलता के कारण अधिक से अधिक संख्या में स्ट्रोक मेनेजमेंट में



मस्तिष्क की रक्तवाहिनियां

जुड़ते जा रहे हैं। दुनियाभर में मृत्यु के कारणों में सबसे मुख्य कारणों में लकवा तीसरे नम्बर पर आता है। दुर्भाग्य से भारत में भी यह रोग बढ़ रहा है।

लकवे का शीघ्र निदान व इलाज करने से इससे बचा जा सकता है, और लकवे के बाद की जिंदगी ज्यादा अच्छी तरह जीने का मौका मिलता है।

लकवे के रोगी अच्छा होने की उम्मीद निश्चित रूप से रख सकते हैं।

लकवा साध्य है

कई वर्षों तक माना जाता रहा था कि लकवा ऐसी बीमारी है जो अचानक हो जाती है, और उसका कोई भी इलाज संभव नहीं है परंतु अब समय बदल गया है। अब लकवे वाले रोगियों की बिमारी साध्य (Curable) है यह सोचना चाहिए। स्ट्रोक के रोगी का इलाज इसके लक्षण शुरू होने के 6 घंटे के अंदर करने में आए, तो उसके पूर्णतया ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है।



हृदयरोग के हमले में समय जितना महत्त्वपूर्ण है, उससे अधिक महत्त्वपूर्ण लकवे में है, क्योंकि मस्तिष्क और ज्ञानतंतु को हृदय के स्नायुओं जितने समय रक्त के बिना नहीं चल पाते।

लकवे में क्या किया जाता है?

दवाएं, हृदयरोग विशेषज्ञ या रेडियोलोजिस्ट के अतिकुशल कार्य के कारण लकवे के कई रोगी जी सकते हैं और ज्यादा अच्छा जीवन भी जी सकते हैं। लक्षण शुरू होने के ३ घंटे के अन्दर इलाज शुरू होने पर श्रेष्ठ परिणाम पाए जा सकते हैं।

लकवे की देखभाल में तीन अत्यन्त महत्त्वपूर्ण बातें

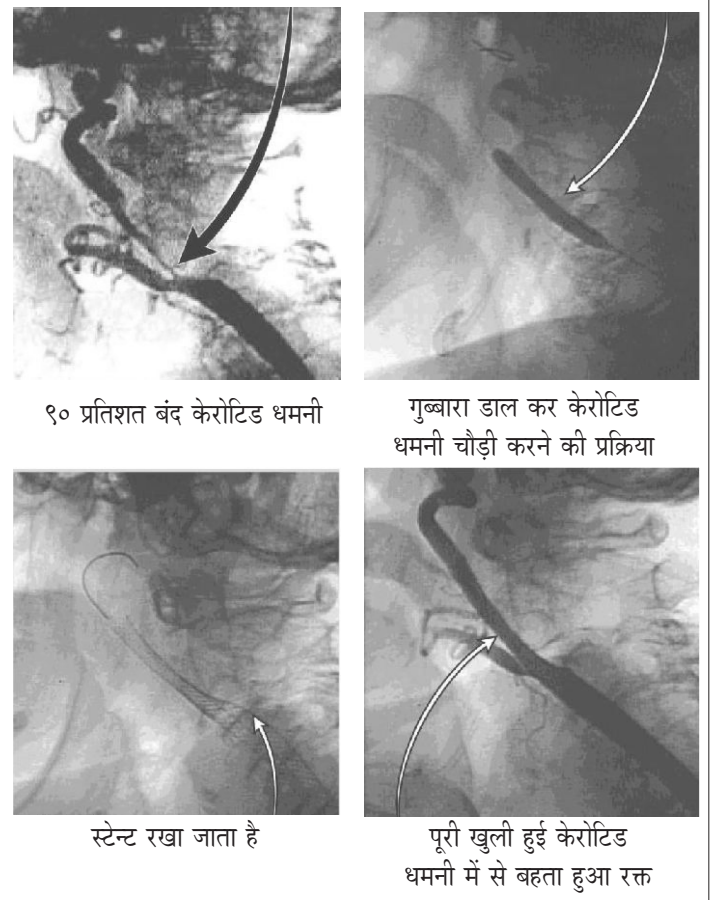
- (१) शीघ्र प्रतिक्रिया समय : लकवा रक्त की उचित मात्रा के अभाव में हो (जमे हुए रक्त या जमे हुए रक्त की गांठे जो मस्तिष्क की धमनी में अवरोध पैदा करती है) या कि

रक्तस्राव (मस्तिष्क की धमनी फट जाने से) के कारण हुआ हो, उसका निदान जल्द से जल्द किया जाना चाहिए। शीघ्रता से ब्लड टेस्ट, फिर सी.टी.स्केन, फिर आई.सी.यु., फिर कॅथलेब और फिर कुशल विशेषज्ञों से इलाज करवाने में ३० मिनट से अधिक समय नहीं लगना चाहिए। लकवे में की

अंकुश में रखे जा सकने वाले खतरनाक तत्व
उच्च रक्तचाप
डायबिटीज मेलाइटिस
रक्त में चर्बी की अधिक मात्रा
शारीरिक निष्क्रियता
मोटापा और अधिक वजन
तम्बाकु का सेवन

अंकुश में नहीं रखे जा सकने वाले खतरनाक तत्व
उम्र... जितनी ज्यादा उतना खतरा
पुरुषों में अधिक खतरा
जाति : भारतीय प्रजा को अधिक खतरा
हृदयरोग का पारिवारिक इतिहास (Hereditary)

जाने वाली आपातकालीन जांच हैं स्पायरल सी.टी. स्केन, केरोटिड डोप्लर, इकोकार्डियोग्राम, सोनोग्राफी (रक्त का



९० प्रतिशत बंद केरोटिड धमनी

गुब्बारा डाल कर केरोटिड धमनी चौड़ी करने की प्रक्रिया

स्टेन्ट रखा जाता है

पूरी खुली हुई केरोटिड धमनी में से बहता हुआ रक्त

प्रवाह जानने के लिए) और जरूरत पड़ने पर केरोटिड या सेरेब्रल एन्जियोग्राफी।

- (२) लकवे की देखभाल में जो धमनी रुक गई हो उसमें जमे हुए रक्त को पिघलाने के लिए दवा दिए जाने का समावेश होता है। बाद में रुकी हुई केरोटिड धमनी को खोलने के लिए केरोटिड धमनी की एन्जियोप्लास्टी या ऑपरेशन की भी जरूरत पड़ सकती है।
- (३) लकवाग्रस्त रोगी को न्यूरोलोजिस्ट और फिजिशियन की सलाह लेने का विस्तृत कार्यक्रम और उसके बारे में समझाया जाता है तथा सामान्य, रोजाना व्यवहार का पुनःप्रशिक्षण भी दिया जाता है। मार्गदर्शन और प्राथमिक जानकारी दी जाती है।

हृदय की तरह केरोटिड धमनी में भी एन्जियोग्राफी व एन्जियोप्लास्टी होती है



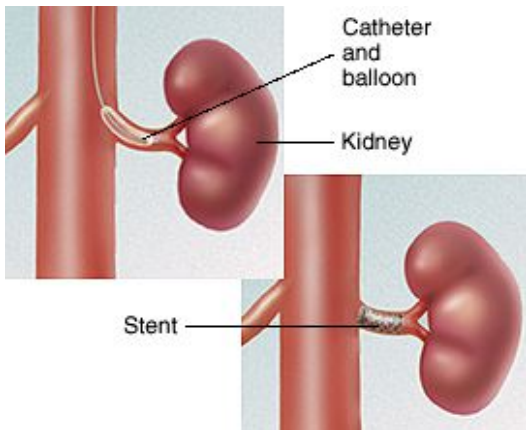
दूसरे अंगों में एन्जायना

हृदय और मस्तिष्क की तरह ही शरीर के अन्य अंग भी पपड़ी जमने (एथेरोस्क्लेरोसिस) से संकरी हुई धमनियों के कारण रक्त के कम व धीमे प्रवाह का भोग बनते हैं।

जिस तरह रक्तप्रवाह बंद होने से हृदयरोग का हमला होता है, और मस्तिष्क में रक्तप्रवाह बंद होने से लकवा होता है, उसी तरह हाथ पैर में रक्त का प्रवाह बंद होने से उस अंग में तेज दर्द उठता है (इसे क्लॉडिकेशन कहते हैं), या किडनी बंद पड़ जाती है। हाथ पैर में रक्त की उचित मात्रा नहीं पहुंचने पर गेंगीन हो सकता है।

किडनी में एन्जियोप्लास्टी

किडनी में रक्त की कमी के कारण किडनी के गंभीर रोग हो सकते हैं। किडनी अपने शरीर का इतना महत्वपूर्ण अंग है कि अगर उसमें रक्त की कम मात्रा पहुंचे तो अपने शरीर के रक्त का दबाव बढ़ जाता है। इस प्रकार संकरी हुई किडनी की



धमनी दुगना खतरा पैदा करती है, किडनी का बंद हो जाना और रक्त का बढ़ा हुआ दबाव। ऐसी स्थिति में किडनी की एन्जियोप्लास्टी के द्वारा उसको उचित मात्रा में रक्त पहुंचाया जाना चाहिए।

हाथ पैर का एन्जायना : क्लॉडिकेशन

किडनी की तरह ही हाथ - पैर में भी एन्जायना हो सकता है, परंतु इसको क्लॉडिकेशन कहा जाता है।

क्लॉडिकेशन में कठिनाई, तनाव, दर्द, अति संवेदनशीलता तथा भारीपन का एहसास होता है। पिंडलियों में, कूल्हे में, और कभी कभी कसरत करते समय अथवा चलते समय हो सकता है। आराम करने पर दर्द खत्म हो जाता है। पर हाथ पैर में पहुंचने वाले रक्त में बहुत कमी आ जाए तो आराम करते समय भी क्लॉडिकेशन का दर्द महसूस होता है।

चित्र में दो जगह संकरी हुई महाधमनी (शरीर की सबसे बड़ी धमनी) दिखाई गई है। एन्जियोप्लास्टी करने के बाद और स्टेन्ट रखने के बाद दोनो जगह चौड़ी बनी हुई दिखाई गई है।

दवाएं, एन्जियोप्लास्टी और ऑपरेशन इन अंगों में रक्त के अयोग्य सर्क्युलेशन का इलाज कर सकते हैं।

९० प्रतिशत बंद



हृदय की तरह किडनी की धमनी भी बंद हो सकती है

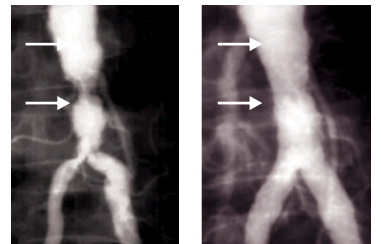


एन्जियोप्लास्टी करके किडनी की धमनी को गुब्बारे के द्वारा खोला जाता है



एन्जियोप्लास्टी के बाद पूर्ण रूप से खुली धमनी

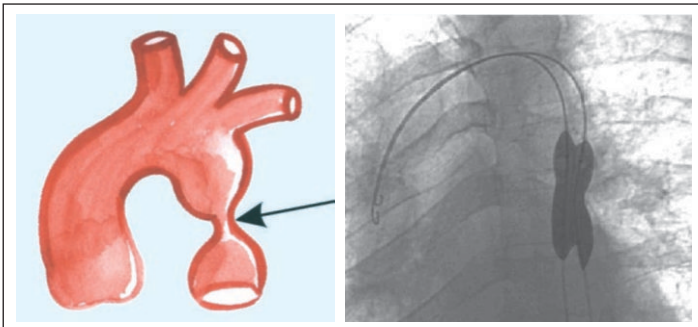
किडनी की एन्जियोप्लास्टी



संकुचित एओर्टा गुब्बारे की सहायता से खोली जाती है



हृदय की जन्मजात कमियां



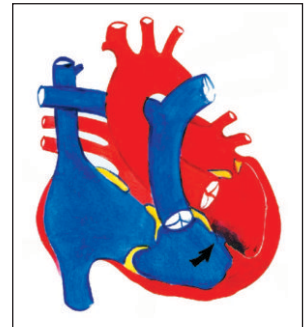
एओर्टा का जन्मजात संकुचन जो डबल गुब्बारे की मदद से चौड़ा किया जाता है

जन्मजात कमियां का मतलब है कि किसी किसी को जन्म के समय से ही हृदय में कमी होती है। विस्तार पूर्वक कहें तो जन्म के समय से ही कई लोगो के हृदय के अलग अलग कक्ष के बीच में नहीं होने चाहिए ऐसे छेद होते हैं, या उनकी महाधमनी और पल्मोनरी धमनी के बीच में असाधारण जोड़ हो, कभी महाधमनी संकरी होती है या रक्तवाहिनियों का जोड़ उल्टा रहता है जैसी कमिया होती है।

साधारण स्वस्थ हृदय में भी हृदय के कक्षों की दीवारों के बीच में छेद होते हैं, जो हृदय के एक कक्ष में से दूसरे कक्ष में रक्त पहुंचाने में सहायक होते हैं। यह छेद अपनी तंदरुस्ती के लिए आवश्यक होते हैं।

टी.ए.एफ.

ट्रेटोलोजी ऑफ फॅलोटे, नाम के इस रोग में हृदय में ४ जन्मजात कमियां होती हैं।



टी.ओ.एफ.

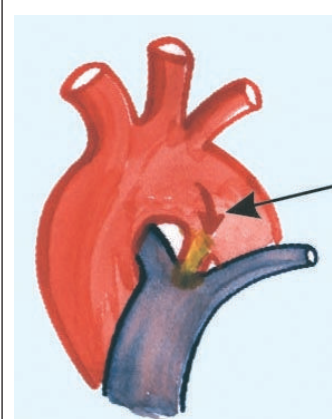
पेटेन्ट डक्ट्स आर्टेरीओसिस

मतलब जन्म से ही एओर्टा और पल्मोनरी धमनी के बीच में रक्त का भ्रमण करने वाली धमनी रहती है। इन्टरवेन्शन या ऑपरेशन से यहां एक कोइल रखकर इसका इलाज किया जा सकता है। संक्षेप में इसे पी.डी.ए. कहते हैं।

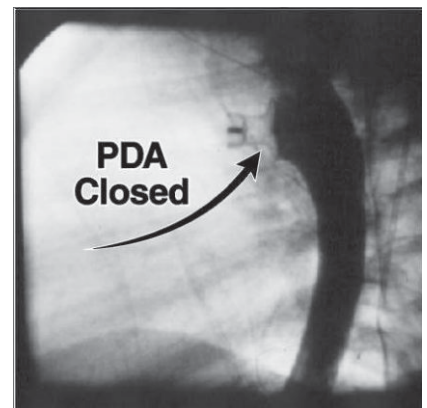
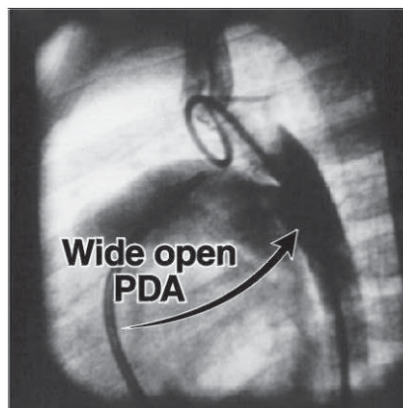
हृदय की जन्मजात कमियों के कई किस्सों में किसी प्रकार के विशिष्ट लक्षण नहीं दिखते हैं, उनका कभी निदान नहीं होता और उनको कभी भी इलाज की जरूरत नहीं पड़ती।

हृदय में जन्मजात कमियों के लिए किस तरह के इलाज उपलब्ध हैं?

कई चुने हुए रोगियों की जांघ की धमनी में २ मि.मि. का

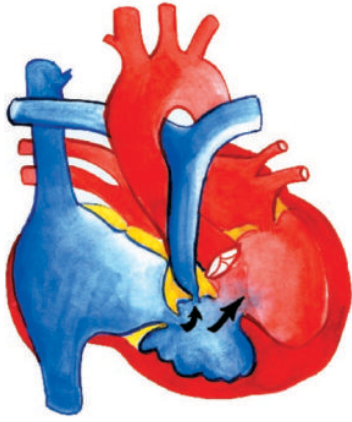


इन्टरवेन्शन करके यह खुली धमनी एक खास प्रकार की कोइल से बंद की जाती है दांड़ तरफ इस ऑपरेशन के फोटो हैं

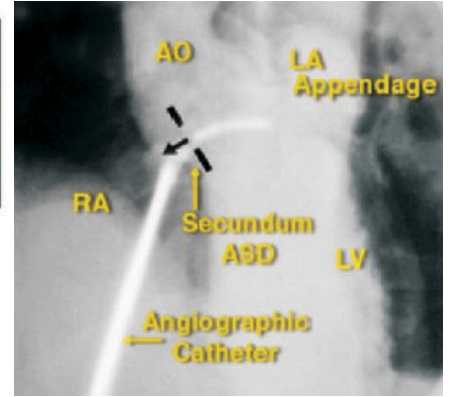
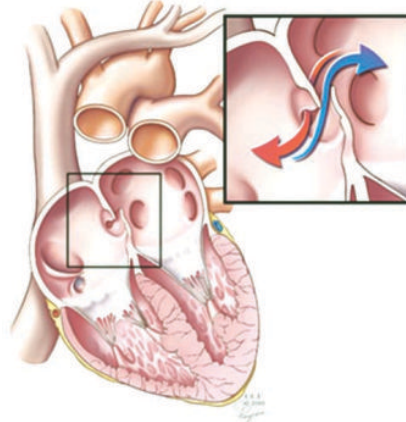


पी.डी.ए. में महाधमनी व पल्मोनरी धमनी के बीच में एक खुली धमनी होती है





क्षेपको के बीच में इस तरह जन्मजात छेद हो सकते हैं, जिन्हे ऑपरेशन या इन्टरवेन्शन से सुधारा जा सकता है



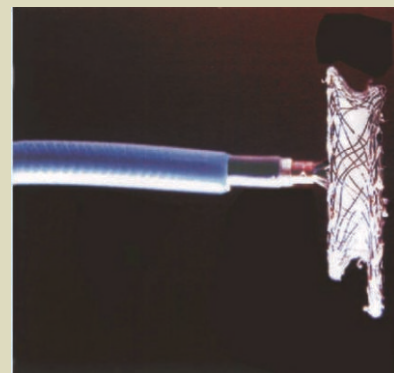
कर्णकों के बीच में जन्मजात छेद अलग अलग डिवाइस से सुधारा जा सकता है

के थोटर डाला कर ऑपरेशन (Interventional Procedure) करने से कर्णको के बीच की दीवार की कमी का निराकरण हो जाता है। अधिक नाजुक किस्सों में हृदय खोलकर ऑपरेशन (Open Heart Surgery) करना पड़ता है।

जन्मजात हृदयरोग की बात शब्दों से ज्यादा अच्छी तरह यहां के संलग्न चित्र समझा सकेंगे।

हृदय की दीवारों में जन्मजात छेद

हृदय की जन्मजात कमियां रक्त को एक कक्ष से दूसरे कक्ष में जाते हुए प्रवाह का गलत जोड़ बनाती है। इसके परिणाम स्वरूप शुद्ध (ऑक्सीजन वाला) रक्त और अशुद्ध (ऑक्सीजन बिना का) रक्त एक दूसरे के साथ मिल जाते हैं। इसे 'शन्ट' कहते हैं। ऐसा होने पर रोगी के अवयवों को पर्याप्त मात्रा में



कर्णको व क्षेपकों के बीच का छेद इस जाली से बंद किया जाता है इसे एम्प्लान्टर डिवाइस कहते हैं

ऑक्सीजन वाला रक्त नहीं मिल पाता है।

हृदय की यह कमी दो कर्णकों के बीच में है या दो क्षेपको के बीच में है, इसके आधार पर इसे कर्णको के बीच की दीवार में खराबी (Atrial Septal Defect) अथवा दो क्षेपकों की दीवालो के बीच की खराबी (Ventricular Septal Defect) कहते हैं।

एम्प्लेटजर डिवाइस एक ऐसी जाली है जिसे जांघ में रखे कैथेटर के द्वारा हृदय में जन्मजात ए.एस.डी. या वी.एस.डी. तक पहुंचा कर वहां एक छत्री की तरह फुलाया जाता है, और छेद को बंद किया जाता है।

सौजन्य

'दिल से' - लेखक : डॉ. केयूर परीख





पीडियाट्रिक कार्डियोलोजी (बाल हृदयरोग विभाग)



- ❖ बच्चों की जन्मजात हृदय की बीमारी के लिये पीडियाट्रिक कार्डियोलोजी एवं सर्जरी की संपूर्ण टीम गुजरात में प्राइवेट अस्पताल में पहली बार ।
- ❖ अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित बाल हृदयरोग विभाग ।
- ❖ बच्चे और नवजात शिशु के हृदय संबंधित सभी प्रकार के रोगों का ईलाज संभव ।

पीडियाट्रिक एम्ब्युलन्स के लिये कॉल करे

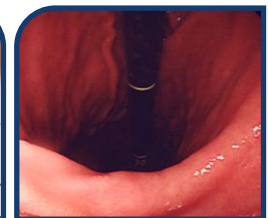
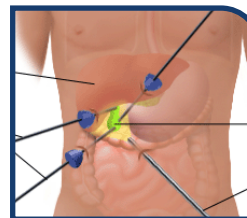


+91 98244 50000
+91 97234 50000



सीम्स गेस्ट्रोसर्जरी, लेप्रोस्कोपी, एन्डोस्कोपी और ओबेसीटी युनिट

- गेस्ट्रोएन्डोलॉजी युनिट पेट के संबंधित सभी बीमारी की जाँच एवं सारवार के लिये सभी सुविधा और मरीज को सही और अत्याधुनिक सारवार देने के लिये तत्पर है ।
- एन्डोस्कोपी (गेस्ट्रोस्कोपी और कॉलोनोस्कोपी) एवं एन्डोस्कोपी से संबंधित सारवार जैसे की बेन्ड लायगेशन, बलुन डायलेटेशन, पोलिपेक्टोमी, इआरसीपी हररोज होती है । पेटने रोगों की जाँच के लिए सोनोग्राफी, सीटी स्कैन और सभी ब्लड रिपोर्टकी सुविधा यहां उपलब्ध है ।
- लेप्रोस्कोपी द्वारा पीताशय, हर्नीया (सारणगांठ), पेटके बड़े ऑपरेशन जैसे के छोटा और बड़े आंत के केन्सरका, अन्न नली केन्सर का, एसीडीटी के लिये फन्डोप्लायकेशन, बरोड के ऑपरेशन यहां होते है । लीवर, स्वादुपींड (पिन्कीयाड़ा), बरोड के रोग की सारवार भी यहां उपलब्ध है ।
- मोटापा (ओबेसीटी) के लिये लेप्रोस्कोपी द्वारा किये जाने वाले ऑपरेशन भी यहां पे होते है । हमारी डायटेटीशियन, फीड्डीयोथेरापी, फीड्डीशीयन और सर्जन की टीम ओबेसीटी से संबंधित सभी तकलीफों में आपको मददरूप होने के लिये तत्पर है ।



डॉ. दिग्विजयसिंह बेदी
MS, FRCS, FRACS
लेप्रोस्कोपीक और
बेरीयाट्रिक सर्जन
मोबाईल : +91-9824012582

डॉ. जयंत के. झाला
MS, FMAS, DLS
फेलोशीप - हीपेटोबीलीयरी और लीवर ट्रान्सप्लान्ट
कन्सलटन्ट सर्जन - सर्जिकल गेस्ट्रोएन्डोलॉजी,
हीपेटोबीलीयरी और लेप्रोस्कोपी
मोबाईल : +91-97129 97096

डॉ. चिराग ठक्कर
MS, MRCS Ed
जीआई, लेप्रोस्कोपीक और
ओबेसीटी सर्जन
मोबाईल : +91-84693 27634

डॉ. यतीन पटेल
MS (Endoscopist)
कन्सलटन्ट - गेस्ट्रोएन्डोलॉजीस्ट
मोबाईल : +91-98250 63363





CIMS

सीम्स अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ और जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट सर्जन अब से राजस्थानमें निम्नलिखित स्थान पर परामर्श के लिये मिलेंगे ।

डॉ. सत्य गुप्ता (हृदयरोग विशेषज्ञ)

महिने के तीसरे शनिवार जोधपुर ♦ पाली

महिने के तीसरे रविवार सुमेरपुर ♦ सीरोही ♦ आबु रोड

महिने के चौथे रविवार भीनमाल ♦ सांचोर ♦ धानेरा

अपोइन्टमेन्ट के लिये संपर्क करे : +91-9879882909

जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ

हर महिने के पहले शनिवार

जोधपुर वसुंधरा अस्पताल,
चौपासनी हाउसिंग बोर्ड
सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक

पाली रोज़ अस्पताल
दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक

अपोइन्टमेन्ट के लिये संपर्क करे : +91-98244 20220

सीम्स जॉइन्ट रीप्लेसमेन्ट डिपार्टमेन्ट

द्वारा



जोइन्ट
रीप्लेसमेन्ट सर्जरी
₹ 1.21 लाख से*
शुरु

*शर्तें लागू

निःशुल्क जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट परामर्श

सीम्स अस्पताल में
जोइन्ट रीप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ
द्वारा निःशुल्क परामर्श का लाभ उठाये
यह कटिंग साथ लाना आवश्यक है ।

डॉ. चिराग पटेल	(मो) +91-98250 24473	सुबह ११ से ३ बजे तक (11 am-3 pm)	गुरुवार और शनिवार
डॉ. अमीर संघवी	(मो) +91-98250 66013	सुबह ११ से ३ बजे तक (11 am-3 pm)	मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार
डॉ. अतीत शर्मा	(मो) +91-98240 61766	सुबह ११ से ३ बजे तक (11 am-3 pm)	बुधवार और शुक्रवार
डॉ. हेमांग अंबाणी	(मो) +91-98250 20120	सुबह ११ से ३ बजे तक (11 am-3 pm)	सोमवार, गुरुवार और शनिवार

 **CIMS**[®]
Care Institute of Medical Sciences
Joint Replacement Department

अपोइन्टमेन्ट
लेना आवश्यक है



+91-79-3010 1200, 3010 1008
+91-98050 66661

सीम्स अस्पताल: शुक्न मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021

Published 20th of every month

Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under

Postal Registration No. **GAMC-1730/2013-2015** issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2015

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

“हृदय और धड़कन” का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको “हृदय और धड़कन” का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स होस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ऑफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेन्ट, सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

सीम्स इमरजन्सी 24 घंटे सभी प्रकारके अत्याधुनिक तबीबी साधनो से संपादित है । इमरजन्सी टीम कुशल एवं समर्पित डॉक्टर्स की टीम एवं नर्सिंग स्टाफ के द्वारा बनी हुई है । चार उच्चतम टेक्नोलोजीयुक्त एम्ब्युलन्स जिसमें सामिल है : आइसीयु ऑन व्हील्स, बच्चो के लिये एम्ब्युलन्स और ट्रोमा एम्ब्युलन्स जो मरीज को घर से अस्पताल और अस्पताल से घर तक पहुंचाने कि सुविधाये प्रदान करती है ।

एम्ब्युलन्स और आपातकालीन सेवायें

+91 98244 50000

+91 97234 50000

+91 90990 11234



no patient too sick or too far for **CIMS**



सीम्स अस्पताल: शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060. फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर्स)

फेक्स : +91-79-2771 2770 एपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008 (मो) +91-98250 66661 वेब : www.cims.me

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और सीम्स अस्पताल, शुकन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया ।